

प्रेषक

शैलेश बगौली,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सोवामें,

निदेशक,
पर्यटन निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पर्यटन अनुभाग।।

देहरादून दिनांक १५ दिसम्बर, 2016

विषयः—चारधाम यात्रा 2016 में आने वाले तीर्थ यात्रियों/श्रद्धालुओं/पर्यटकों की आवश्यक सुविधा हेतु चारधाम यात्रा मार्ग में सार्वजनिक शौचालयों/बायो शौचालय की साफ-सफाई/मरम्मत/रख-रखाव हेतु वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या—302/2-7-27/2016, दिनांक 14 अक्टूबर, 2016 के द्वारा प्राप्त प्रस्तावों के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि योजना कार्य अन्तर्गत संलग्न विवरण के क्रमांक—1,2,3,4 व 5 हेतु आगणित लागत ₹ 5,03,16,562/- की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही पूर्व में परिषद के स्तर से निर्माण इकाई को अवमुक्त 50% धनराशि की वित्तीय स्वीकृति की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान करते हुए संलग्न परिषिष्ट में उल्लिखित विवरण हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2016—17 में उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद को अनुदान मद में प्रावधानित धनराशि ₹ 2500.00 लाख में से ₹ 2,45,78,052/- (₹ दो करोड़ पैंतालीस लाख अठहतर हजार बावन मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए निम्नलिखित शर्तों/प्रतिवन्धों के अधीन व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

- (i) उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद को अनुदान मद से ब्याज में प्राप्त धनराशि तत्काल राजकोष में जमा कर रासन को अवगत कराया जाय। भविष्य में वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर धनराशि समर्पित की जाय।

(ii) पी०एल०ए० एकाउंट के नवीनीकरण के सम्बन्ध में शीघ्रता से महालेखाकार कार्यालय से समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही की जाय।

(iii) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।

(iv) कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाय जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए तथा एक मद की धनराशि दूसरे मद में कदापि व्यय न की जाय।

(v) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व स्थल का मृदा परीक्षण एवं भू-गर्भीय परीक्षण अनिवार्य रूप करा लिया जाय।

(vi) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

(vii) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाये तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाये।

(viii) विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं सात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

- (ix) स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।
- (x) व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 तथा इसके कम में समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
- (xi) आवंटित धनराशि का उपभोग 31 मार्च, 2017 तक कर लिया जाय। अवशेष धनराशि समयान्तर्गत शासन को समर्पित कर दी जाय।
- (xii) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह रखीकृत की जा रही है। मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं होगा। बजट योजनावार आवंटन उसके विपरीत मासिक योजनावार व्यय का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- (xiii) वित्तीय वर्ष के अन्त में कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र भी शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- (xiv) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड रासन के शासनादेश संख्या-2047 / XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (xv) कार्यदायी संस्था के निधारण में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 2- उपरोक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-26 के लेखाशीर्षक-3452-पर्यटन-80-सामान्य-आयोजनागत-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-उत्तराखण्ड राज्य पर्यटन विकास परिषद-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मानक मद के नामे डाला जायेगा।
- 3- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0स0-56 / XXVII(2) / 2016, दिनांक 8 दिसम्बर, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- 4- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2016-17 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत अलोटमेंट आईडी-S..I.6.1.2.2.6.0.1.6.5. द्वारा निर्गत किया जा रहा है।

भवदीय,

(शैलेश बगौली)

सचिव।

संख्या:- VI(1) / 2016-02(06) / 2016, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल मण्डल।
- 4- सम्बन्धित जिलाधिकारी।
- 5- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड रासन।
- 6- सम्बन्धित जिला पर्यटन विकास अधिकारी।
- 7- सुलभ इन्टरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गनाईजेशन, देहरादून।
- 8- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(गरिमा रौकली)

संयुक्त सचिव।

क्र० सं०	आवित कार्य का नाम	आगणन की लागत /टी०ए०सी० द्वारा संस्कृत धनराशि	पूर्व में परिषद के तरां से निर्माण इकाई को उपलब्ध करायी गयी 50% धनराशि	स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	चारधाम यात्रा मार्ग पर 196 नग अस्थाई फ्लैक्सी शौचालय/मूत्रालय निर्माण एवं छः माह तक साफ—सफाई रख—रखाव हेतु।	78,68,562	42,33,725	36,34,837
2	सोन प्रयाग से श्री केदारनाथ पैदल मार्ग पर 134 नग अस्थाई फ्लैक्सी शौचालयों का निर्माण एवं छः माह तक साफ—सफाई रख—रखाव।	68,09,000	34,90,285	33,18,715
3	सोन प्रयाग से श्री केदारनाथ पैदल मार्ग की साफ सफाई तथा गौरीकुण्ड से श्री केदारनाथ पैदल मार्ग में सार्वजनिक शौचालयों/बायोशौचालयों की साफ—सफाई रख—रखाव का कार्य।	2,70,85,000	1,37,37,500	1,33,47,500
4	सीतापुर से श्री केदारनाथ पैदल मार्ग पर 50 नग अतिरिक्त अस्थाई फ्लैक्सी शौचालयों का निर्माण।	29,86,000	14,93,000	14,93,000
5	सीतापुर से श्री केदारनाथ पैदल मार्ग की साफ—सफाई व्यवस्था हेतु अतिरिक्त 50 केयर टेकर/सफाई कर्मी 2 सुपरवाईजर हेतु।	55,68,000	27,84,000	27,84,000
	योग :-	5,03,16,562	2,57,38,510	2,45,78,052

(₹ दो करोड़ पैंतालीस लाख अठहतर हजार बावन मात्र)

(गरिमा राँकली)
संयुक्त सचिव।

